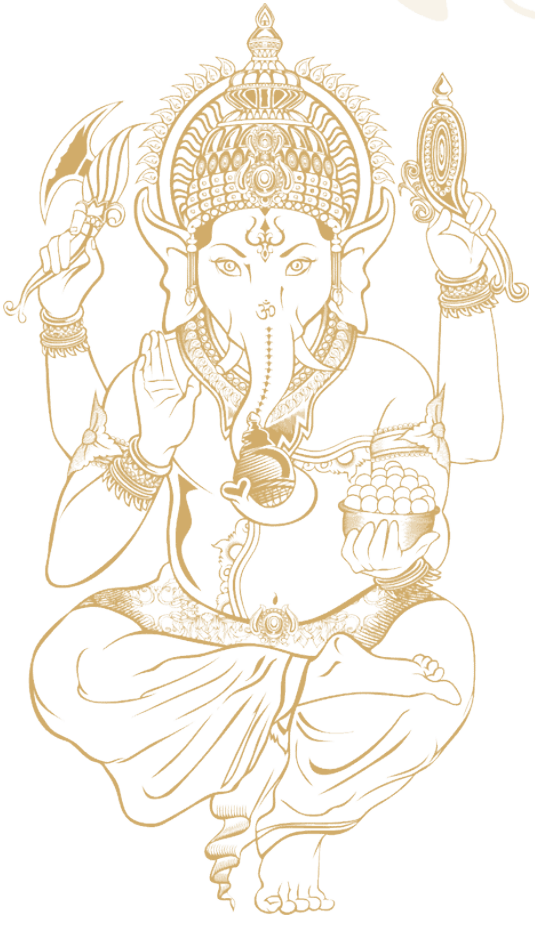

Harshit pandey

17 Jun 2008

07:45 PM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121179202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/06/2008**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**19:45:00 घंटे**
इष्ट	36:12:35 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:36:16 घंटे
वेलान्तर	-00:00:57 घंटे
साम्पातिक काल	13:21:05 घंटे
सूर्योदय	05:15:58 घंटे
सूर्यास्त	19:03:25 घंटे
दिनमान	13:47:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	02:46:21 मिथुन
लग्न के अंश	13:18:42 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	साध्य
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	या-यतीन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	13:18:42	342:56:46	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			मिथु	02:46:21	00:57:16	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	20:19:50	11:53:05	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	नीच राशि
मंगल			कर्क	27:44:02	00:34:54	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	नीच राशि
बुध	व	अ	वृष	19:09:07	00:08:53	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		धनु	26:07:47	00:06:26	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	स्वराशि
शुक्र		अ	मिथु	05:04:19	01:13:42	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
शनि			सिंह	09:26:35	00:04:23	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		मक	25:52:42	00:10:08	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	25:52:42	00:10:08	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	28:38:32	00:00:27	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
नेप	व		कुंभ	00:08:58	00:00:41	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	05:56:05	00:01:33	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
दशम भाव			कन्या	27:57:07	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:41

लग्न-चलित

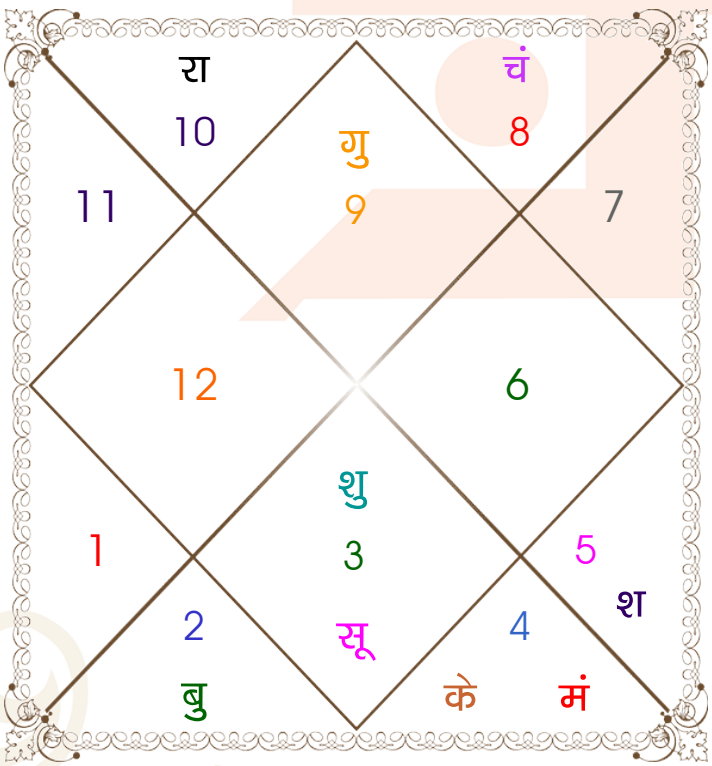

चन्द्र कुंडली

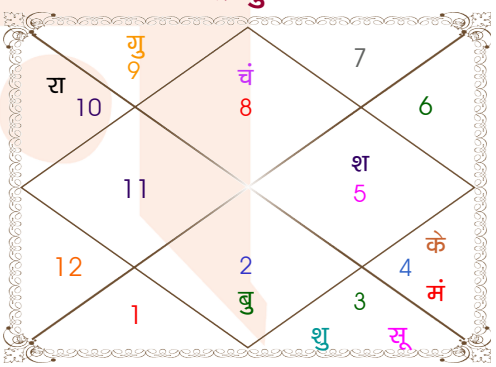

नवमांश कुंडली

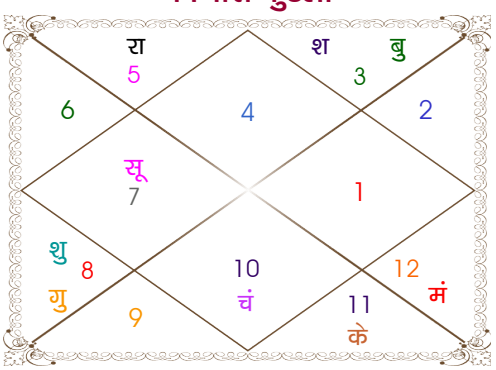

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 12 वर्ष 3 मास 28 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
17/06/2008		15/10/2020		16/10/2027		16/10/2047		16/10/2053	
15/10/2020		16/10/2027		16/10/2047		16/10/2053		16/10/2063	
	00/00/0000	केतु	13/03/2021	शुक्र	15/02/2031	सूर्य	03/02/2048	चंद्र	16/08/2054
	17/06/2008	शुक्र	14/05/2022	सूर्य	15/02/2032	चंद्र	03/08/2048	मंगल	17/03/2055
शुक्र	09/01/2010	सूर्य	18/09/2022	चंद्र	16/10/2033	मंगल	09/12/2048	राहु	15/09/2056
सूर्य	15/11/2010	चंद्र	20/04/2023	मंगल	16/12/2034	राहु	03/11/2049	गुरु	15/01/2058
चंद्र	16/04/2012	मंगल	16/09/2023	राहु	15/12/2037	गुरु	22/08/2050	शनि	16/08/2059
मंगल	13/04/2013	राहु	03/10/2024	गुरु	15/08/2040	शनि	04/08/2051	बुध	15/01/2061
राहु	31/10/2015	गुरु	09/09/2025	शनि	16/10/2043	बुध	10/06/2052	केतु	16/08/2061
गुरु	05/02/2018	शनि	19/10/2026	बुध	16/08/2046	केतु	15/10/2052	शुक्र	16/04/2063
शनि	15/10/2020	बुध	16/10/2027	केतु	16/10/2047	शुक्र	16/10/2053	सूर्य	16/10/2063

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/10/2063		16/10/2070		15/10/2088		16/10/2104		17/10/2123	
16/10/2070		15/10/2088		16/10/2104		17/10/2123		00/00/0000	
मंगल	13/03/2064	राहु	28/06/2073	गुरु	04/12/2090	शनि	20/10/2107	बुध	15/03/2126
राहु	01/04/2065	गुरु	22/11/2075	शनि	16/06/2093	बुध	29/06/2110	केतु	12/03/2127
गुरु	08/03/2066	शनि	28/09/2078	बुध	22/09/2095	केतु	08/08/2111	शुक्र	18/06/2128
शनि	16/04/2067	बुध	16/04/2081	केतु	28/08/2096	शुक्र	08/10/2114		00/00/0000
बुध	13/04/2068	केतु	04/05/2082	शुक्र	29/04/2099	सूर्य	20/09/2115		00/00/0000
केतु	09/09/2068	शुक्र	04/05/2085	सूर्य	15/02/2100	चंद्र	20/04/2117		00/00/0000
शुक्र	09/11/2069	सूर्य	29/03/2086	चंद्र	17/06/2101	मंगल	30/05/2118		00/00/0000
सूर्य	17/03/2070	चंद्र	28/09/2087	मंगल	24/05/2102	राहु	05/04/2121		00/00/0000
चंद्र	16/10/2070	मंगल	15/10/2088	राहु	16/10/2104	गुरु	17/10/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 12 वर्ष 3 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।